

## भारत समुद्री वरिसत सम्मेलन, 2024

### प्रलिस के लयल:

[राषुड्रीय समुद्री वरिसत परसर](#), [सधु घाडी सभयता](#), [रॉयल इंडयलन नेवी](#), [नौसेना दवलस](#), [सागर माला कार्यक्रम](#)

### मेनुस के लयल:

भारत का समुद्री इतहास एवं वैशुवलकल वुयापार में इसका युगदान, भारत के समुद्री कुषेतर से संबंघतल चुनौतयलँ, भारत की समुद्री पहल

[सुरोत: पी.आई.बी](#)

### चरुचा में कुयुँ?

हाल ही में [पुततन](#), [पोत परवलहन एवं जलमार्ग मंनुरालय](#) दवारा परथम भारत समुद्री वरिसत सम्मेलन (IMHC 2024) का आयुजन कयल गयल, जसलमें [भारत की समुद्री वरिसत](#) और वैशुवलकल वुयापार में इसके युगदान पर परकाश डालने के साथ भवषुय के नवाचारुँ पर चरुचा की गई ।

### IMHC 2024 की मुखुय वशेषताँ कुयल हैं?

- वषुय: "["राषुड्रीय समुद्री वरिसत परसर \(NMHC\) 2024" के आयुजन](#)"
  - यह वैशुवलकल समुद्री वुयापार, संसुकुतल और नवाचार में भारत के ऐतहासकल तथा समकालीन युगदान पर कुँदरतल है ।
- मुखुय आकुषण: इस सम्मेलन में भारत की समुद्री वरिसत कु प्रदरुशतल कयल गयल, जसलमें प्राचीन पोत नरुमाण तकनीकुँ तथा नौवहन उपकरणुँ का प्रदरुशन कयल गयल, कु वैशुवलकल वुयापार नेटवरक के साथ भारत के ऐतहासकल संबंघ कु दरुशातल है ।
  - गुरीस, इटली और युनाइटेड कगलडम जैसे अगुरुणी समुद्री राषुडरुँ ने इसमें भाग लयल तथा भारत की समुद्री वरिसत के वैशुवलकल महतुतुव पर बल दयल ।
  - मुखुय आकुषण कुँदर [लोथल में बनने वाला राषुड्रीय समुद्री वरिसत परसर \(NMHC\)](#) रहा, जसलमें पोत नरुमाण तथा मनका नरुमाण जैसे भारत की प्राचीन समुद्री तकनीकुँ का प्रदरुशन कयल गयल ।

# INDIA MARITIME HERITAGE CONCLAVE 2024

## Objectives:



1

### Showcase at one place entire India's Maritime Legacy:

- Highlight India's advancements in shipbuilding, navigation, and maritime trade.

2

### Global Cultural Confluence:

- Trace cultural, religious, and economic confluence between India and Southeast Asia, Far East Asia, West Asia, the Mediterranean, Africa, Europe and beyond.

3

### Technological Evolution:

- Explore India's contributions to maritime technology, from ancient times through various cultural phases till date.

4

### Spiritual and Cultural Exchange:

- Discuss India's role in spreading philosophies and practices through maritime routes.

5

### Maritime Heritage Preservation:

- Raise awareness about the conservation of maritime archaeological sites, monuments artefacts, ancient ports, lighthouses etc.

## राष्ट्रीय समुद्री वरिसत परसिर (NMHC)

- NMHC का नरिमाण पत्तन, पोत परविहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत ऐतहिसकि सधु घाटी सभ्यता (IVC) स्थल लोथल, गुजरात में कयिा जा रहा है।
  - इस परयिोजना का लक्ष्य NMHC को वशिव के सबसे बडे समुद्री परसिरों में से एक बनाना है जो अतीत, वर्तमान तथा भवषिय की समुद्री गतविधियिों को एक वशिव स्तरीय सुवधिा में एकीकृत करेगा।
- NMHC परयिोजना में 14 गैलरी वाला एक संग्रहालय, लोथल टाउन, एक ओपन एक्वेटकि गैलरी, लाइटहाउस संग्रहालय, कोस्टल स्टेट पवेलयिन, इको रसिॉर्ट, थीम पार्क तथा एक समुद्री अनुसंधान संस्थान आदि शामिल होंगे।







Cabinet Decision: 09<sup>th</sup> October, 2024

## National Maritime Heritage Complex, Lothal

Cabinet approves development of National Maritime Heritage Complex (NMHC) at Lothal, Gujarat



- Construction of **Light House Museum** under Phase 1B at a cost of **Rs. 266.11 crore** will be funded by Directorate General of Lighthouses and Lightships
- Project will create **15,000 direct employment** and **7,000 indirect employment**
- NMHC will immensely help local communities, tourists and visitors, researchers and scholars, government bodies, educational institutions, cultural organisations, environment and conservation groups, businesses







## भारत के समुद्री क्षेत्र का महत्त्व क्या है?

- **भारत के समुद्री क्षेत्र की स्थिति:**
  - भारत विश्व में **16वाँ सबसे बड़ा समुद्री देश** है।
  - भारत टन भार की दृष्टि से **विश्व का तीसरा सबसे बड़ा जहाज़ पुनर्यकरणकर्ता** है तथा शिपब्रेकिंग के क्षेत्र में **वैश्विक बाज़ार में इसका योगदान 30% है** एवं विश्व की सबसे बड़ी शिपब्रेकिंग की सुविधा गुजरात के अलंग में स्थित है।
- **आर्थिक महत्त्व:** भारत का समुद्री क्षेत्र इसके व्यापार और वाणज्य का आधार है, जहाँ **सेमात्रा की दृष्टि से देश का लगभग 95% व्यापार और मूल्य की दृष्टि से 70% व्यापार संपन्न होता है।**
  - भारतीय बंदरगाहों से **प्रतिवर्ष लगभग 1200 मिलियन टन माल का संचालन किया जाता है, जो इस क्षेत्र के आर्थिक महत्त्व को रेखांकित करता है।**
  - विश्व बैंक की वर्ष 2023 की **लॉजिस्टिक परफॉरमेंस इंडेक्स (LPI) रिपोर्ट** के अनुसार, भारत "अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट" श्रेणी में वैश्विक स्तर पर 22 वें स्थान पर है, जो वर्ष 2014 के 44वें स्थान में हुई उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।
    - यह सुधार **भारतीय बंदरगाहों के नष्पादन को रेखांकित करता है, जिनका** कंटेनर टर्नअराउंड समय और ड्वेल समय जैसे परचालन मापदंडों पर विश्व के अन्य प्रतिस्पर्द्धियों से बेहतर प्रदर्शन रहा।
  - बंदरगाह से निर्यात-आयात, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, तटीय शिपिंग और करूज शिपिंग संपन्न होता है।
  - वर्ष 2030 तक **ग्लोबल बलु इकोनॉमी** के 6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने की संभावना के साथ, भारत का समुद्री क्षेत्र विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देश के उदय में महत्त्वपूर्ण योगदान देने की ओर अग्रसर है।



# भारत के प्रमुख पत्तन (बंदरगाह)



- भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 के तहत परिभाषित केंद्र और राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार के अनुसार भारत में पत्तनों/बंदरगाहों को महापत्तन/बड़े बंदरगाह (Major Ports) और गैर-महापत्तन/छोटे पत्तन/छोटे बंदरगाह (Minor Ports) के रूप में वर्गीकृत किया गया है अर्थात् महापत्तनों का स्वामित्व एवं प्रबंधन का उत्तरदायित्व केंद्र सरकार के पास होता है जबकि गैर-महापत्तनों का स्वामित्व एवं प्रबंधन का उत्तरदायित्व राज्य सरकारों के पास होता है।
- महापत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 2021 भारत में महापत्तनों के नियमन, संचालन एवं नियोजन का प्रावधान करता है और इन बंदरगाहों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करता है। इसने महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 का स्थान लिया है।
- कार्यात्मक महापत्तनों की वर्तमान संख्या 12 है। 13वाँ महापत्तन वधावन बंदरगाह, महाराष्ट्र (निर्माणाधीन) है।



## भारत के समुद्री क्षेत्र से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

- **पत्तन की क्षमता:** भारत के बंदरगाहों की माल की बढ़ती मात्रा का वहन करने की क्षमता सीमित है।
  - पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार **13 प्रमुख पत्तन** और **200 से अधिक अप्रमुख पत्तन** होने के बावजूद, इनमें से कई पोत की परिचालन क्षमता पूरी या उसके निकट है, जिसके कारण संकुलन और देरी की समस्या हो रही है।
- **जटिल वनियमन:** समुद्री क्षेत्र को **नौवहन महानिदेशालय**, **समुद्री राज्य विकास परिषद** और **संयुक्त राष्ट्र समुद्री वधि अभिसमय (UNCLOS)** जैसे नकियाँ द्वारा क्रियान्वित किये गए वनियमनों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे परिचालन दक्षता में बाधा उत्पन्न होती है।
  - इसके समक्ष वदियमान चुनौतियों में **अवैध मतस्यन**, **संसाधनों का असंतुलित दोहन**, तथा समुद्री आवासों और जैवविविधता की रक्षा के लिये **बेहतर वनियामक कार्यान्वयन की आवश्यकता** शामिल है।
- **नौसेना वसितार और स्वदेशीकरण:** हालाँकि भारत का लक्ष्य वर्ष 2035 तक नौसेना में 175 जहाज शामिल करने का है कति इसकेंरिमाण की गति, विशेष रूप से चीन के तेजी से जहाज निर्माण की तुलना में, **और सीमति बजट** रणनीतिक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।
  - **प्रोजेक्ट 75-I** जैसी परियोजनाओं में देरी तथा स्वदेशी परमाणु हमलावर पनडुबवियों की आवश्यकता के साथ भारत में पनडुबवियों की कमी है।
- **तटीय सुरक्षा:** भारत की विशाल तटरेखा आतंकवादी संगठन वसिफोटक हथियारों के आवागमन और मादक पदार्थों की तस्करी प्रति संवेदनशील है।
  - **उल्लेखनीय मामलों में वर्ष 1993 के मुंबई वसिफोट** और **26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले** शामिल हैं, जो महत्वपूर्ण सुरक्षा खामियों हैं।

को उजागर करते हैं।

## समुद्री क्षेत्र से संबंधित भारत की पहल:

- जहाज मरम्मत और पुनर्रचकरण मशिन
- अंतरराष्ट्रीय समुद्री विवाद समाधान केंद्र
- क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास (सागर)
- सागर माला कार्यक्रम
- मैरीटाइम इंडिया विज़न, 2030
- समुद्री अमृतकाल विज़न 2047

## आगे की राह:

- समुद्री पर्यटन को बढ़ावा देना: पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत तटीय सर्कटों के विकास जैसी तटीय पर्यटन पहलों को विकसित करने से सांस्कृतिक वरिसत को संरक्षित करते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाया जा सकता है।
  - भारत आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिये सतत् समुद्री संसाधनों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करके अपनी नीली अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है।
- कौशल विकास को बढ़ावा देना: समुद्री कौशल में प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थापित करने से स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाया जा सकता है तथा रोजगार के अवसर उत्पन्न किये जा सकते हैं।
  - अंतरराष्ट्रीय समुद्री संस्थाओं के साथ सहयोग करने से ज्ञान हस्तांतरण और नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है।
- हरित नौवहन प्रथाएँ: भारत सतत् समुद्री परचालन के लिये समर्पित है, जिसका उदाहरण ग्रीन टग ट्रांज़िशन प्रोग्राम और प्रमुख बंदरगाहों पर ग्रीन हाइड्रोजन हब हैं।
- स्मार्ट बंदरगाहों और पर्यावरण अनुकूल टगबोटों का विकास भारत के समुद्री दृष्टिकोण के लिये महत्त्वपूर्ण है, जिससे दक्षता बढ़ेगी और उद्योग के पर्यावरणीय प्रभाव में कमी आएगी।
- बुनियादी ढाँचे का विकास: क्षमता एवं दक्षता को बढ़ाने के लिये बंदरगाहों और शिपिंग बुनियादी ढाँचे को उन्नत बनाने हेतु निवेश करना, साथ ही व्यापार को बढ़ाने के लिये तटीय क्षेत्रों और अंतरदेशीय बाज़ारों के बीच संपर्क में सुधार करना चाहिये।
  - दूरदर्शी सागरमाला कार्यक्रम बंदरगाहों को औद्योगिक समूहों के साथ एकीकृत कर रसद नेटवर्क को अनुकूलित करता है, तथा व्यापक तटीय विकास को बढ़ावा देता है।
- नीतित्म रूपरेखा: एकीकृत नीतियाँ तैयार करना जो समुद्री वरिसत के संरक्षण को आर्थिक विकास उद्देश्यों के साथ जोड़ती हैं, साथ ही वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिये अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों और समझौतों का अनुपालन सुनिश्चित करती हैं।
  - तटीय नौवहन विधियक 2024 नियामक ढाँचे तथा बहु-मॉडल व्यापार संपर्क को सुव्यवस्थित करता है।

### दृष्टिभेन्स प्रश्न

प्रश्न: भारत समुद्री वरिसत सम्मेलन, 2024 में उजागर की गई भारत की समुद्री वरिसत के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????:

Q.1 नमिनलखिति में से कौन सा प्राचीन शहर बांधों की एक शृंखला बनाकर और उससे जुड़े जलाशयों में पानी को प्रवाहित करके जल संचयन और प्रबंधन की वसित्तुत प्रणाली के लिये जाना जाता है? (वर्ष 2021)

- (A) धोलावीरा
- (B) कालीबंगन
- (C) राखीगढ़ी
- (D) रोपड़

उत्तर: (A)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन सधुि सभ्यता के लोगों की वशिषता/वशिषताएँ है/हैं? (2013)

1. उनके पास बड़े-बड़े महल और मंदिर थे।
2. वे देवी और देवताओं दोनों की पूजा करते थे।
3. उन्होंने युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथों का उपयोग किया।



नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही विकल्प चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 1, 2 और 3
- (d) उपर्युक्त कोई भी कथन सही नहीं है

उत्तर: (b)

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पा स्थल नहीं है? (2019)

- (a) चनहुदड़ो
- (b) कोट दज्जि
- (c) सोहगौरा
- (d) देसलपुर

उत्तर: (c)

**??????:**

प्रश्न: दक्षिण चीन सागर के मामले में, समुद्री भूभागीय विवाद और बढ़ता हुआ तनाव समस्त क्षेत्र में नौपरविहन की और ऊपरी उड़ान की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के लिये समुद्री सुरक्षा की आवश्यकता की अभिप्रेषण करतें हैं। इस संदर्भ में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा कीजिये। (2014)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/india-maritime-heritage-conclave-2024>

